किसान उत्पादों के लिए बढ़ रहे निर्यात के मौके

पूर्वांचल से पहली बार खाड़ी के देशों को भेजा गया आलू, 111 देशों को हो रहा फल व सब्जी का निर्यात

राजीव कुमार • नई दिल्ली

- सरकारी संस्थान एपिडा का मिल रहा सहयोग, किसानों के उत्पादों को दिलाया सही प्लेटफार्म
- कृषि निर्यात में बढ़ोतरी के लिए लगातार किसान उपज संगठनों के संपर्क में रहते हैं एपिडा अधिकारी

भारत के कई हिस्सों से हो रहा केले का निर्यात • फाइल फोटो

कुछ महीने पहले वाराणसी से केले के फूल, पत्ते और फल का पहली बार यूएई में निर्यात किया गया और इससे वहां के किसानों को केले की अच्छी कीमत भी मिली और अपने उत्पाद की बिक्री के लिए विदेश में बाजार भी मिला। दिसंबर की शुरुआत में पूर्वांचल से पहली बार खाड़ी के देशों में आलू का भी निर्यात किया गया। इस साल अगस्त में अलीगढ़ से गुयाना में आलू भेजा गया था। वैसे ही, इन दिनों देश के विभिन्न हिस्सों से केला, गेंदे के फूल, पानी-फल (सिंघाड़ा), अंजीर, बेर, क्रेनबेरी जैसे उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है।

यह सब वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन काम करने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास केंद्र (एपिडा) के प्रयास से संभव हो सका है। तभी पिछले साल भारत ने दुनिया के 102 देशों में फल व सब्जी का निर्यात किया था, जो इस साल बढ़कर 111 हो गया है।

एपिडा के मुताबिक वाराणसी से कई उत्पादों के निर्यात शुरू होने के पीछे बनारस आर्गेनो फार्मर प्रोड्यूसिंग कंपनी का हाथ है, जिसकी स्थापना एपिडा के सहयोग से की गई। एपिडा के मुताबिक, वहां के ग्रामीण इलाके में अच्छी पकड़ रखने वाले अभिषेक सिंह ने किसानों की समस्या को लेकर एपिडा से संपर्क किया। किसानों की समस्या पर रिसर्च में पाया गया कि बिचौलिए किसानों के उत्पाद को सही कीमत नहीं देते हैं और उनके उत्पाद को सही प्लेटफार्म भी नहीं मिल रहा है। इसके बाद कंपनी की स्थापना हुई और एपिडा वहां के किसानों के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर लाने लगा और अब नतीजा सामने है।

एपिडा के अधिकारियों के मुताबिक, कृषि निर्यात में बढ़ोतरी के लिए वे लगातार किसान उपज संगठन (एफपीओ) के संपर्क में हैं और उन्हें निर्यात के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हाल ही में पहली बार नीदरलैंड में केले का निर्यात गया है और अगले तीन साल में इस निर्यात को एक अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नीदरलैंड के साथ अन्य यूरोपीय देशों में भी केले के निर्यात की संभावना तलाशी जा रही है।

अब मादक पेय पदार्थों का निर्यात बढ़ाने की तैयारी

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मादक पेय पदार्थों का वैश्विक बाजार 100 अरब डालर का है और इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 32 .5 करोड़ डालर की है। मंत्रालय अगले तीन साल में मादक पेय पदार्थों के निर्यात को एक अरब डालर तक ले जाना चाहता है। तभी मंत्रालय के सहयोग से आगामी 8-10 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले इंडस फूड 2024 में भारतीय मादक पेय पदार्थों की नुमाइश की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, इस मेले में 2,500 से अधिक विदेशी तो 5,000 से अधिक देशी खरीदार आ रहे हैं।

आम का निर्यात दोगुना हुआ

अमेरिका में अनार व आम के निर्यात के लिए एपिडा ने अहमदाबाद, नासिक, बेंगलुरु जैसी जगहों पर अमेरिकी अधिकारियों का दौरा कराया ताकि किसानों को अपने उत्पादों के निर्यात का प्री-लाइसेंस मिल सके। एपिडा ने दक्षिण कोरिया के अधिकारियों का भी भारत का दौरा कराया और इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2022 के मुकाबले इस वर्ष आम का निर्यात दोगुना हो गया।